नया सॉफ्टवेयर तैयार: फोटो बताएगी बीज के अंकुरण की संभावना

एक्सक्लूसिव

उत्पल शर्मा
rajasthanpatrika.com

पिलानी. किसान के सपनों को साकार करने के लिए कस्बे स्थित केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान सीरी के वैज्ञानिकों ने एक विशेष प्रकार के सॉफ्टवेयर बनाने में सफलता हासिल की है। यह सॉफ्वेयर किसानों को किसी भी बीज में अंकुरण की संभावना कितने प्रतिशत हैं। इसकी जानकारी देगा। वैज्ञानिक टीम के सदस्य अंकित शुक्ल ने बताया कि केन्द्र सरकार के अभियान किसान की आय दुगुनी करने की दिशा में चल रहे प्रयासों में सीरी संस्थान के वैज्ञानिकों ने एक कदम बढ़ाते हुए एक सॉफ्वेयर का निर्माण किया है।

इस सॉफ्वेयर को किसी भी एण्ड्रोयड हैंडसेट में लोड करना होगा। फसल बुवाई के लिए बीज खरीदते समय किसान बीजों की फोटो को इस सॉफ्वेयर में डालेगा जिस पर सॉफ्वेयर किसान को बीज में अंकुरण की संभावना कितने प्रतिशत है इस की जानकारी देगा। टीम सदस्य श्रीहर्षा कौंडिन्य एवं मनोज शर्मा ने बताते हैं कि नये बीज में अंकुरण की संभावना 90 प्रतिशत से अधिक होती है। बीज जैसे जैसे पुराना होता जाता है उस में अंकुरण की संभावना कम हो जाती है। किसान फसल बुवाई के लिए बीज खरीदता है तो उसे पुराना बीज दे दिया जाता है। ऐसे में किसान के साथ धोखा हो जाता है। टीम सदस्य अविनाश उपाध्याय ने बताया कि सॉफ्वेयर अपने प्रारंभिक प्रयोगों में सफल रहा है।

पिछले दिनों विश्व स्तर पर आयोजित एक प्रतियोगिता में भी सॉफ्वेयर ने विश्व स्तर पर छठा स्थान प्राप्त कर अपनी विश्वनीयता बढा दी है। वैज्ञानिक बताते हैं कि सॉफ्वेयर के द्वारा किसान को खेत में खड़ी फसल में पानी की आवश्यकता,खाद की कमी तथा पकने पर कटाई की जानकारी मिलने की दिशा में सुखद परिणाम मिले हैं सब ठीक रहा तो दूसरे चरण में अपडेट किया जाएगा।

> हमारे संस्थान की टीम ने इस प्रकार का सॉफ्वेयर बनाया है। अभी तक के परिणाम सुखद हैं उम्मीद है कृषि क्षेत्र को दिशा मिलेगी।
>
> **प्रो. शांतनु चौधरी,** निदेशक सीरी